# बिहार विधान परिषद

(बिहार विधान परिषद् का 194वां बजट सत्र)

## 25 फरवरी 2020

---

[ऊर्जा - उद्योग - स्वास्थ्य - अल्पसंख्यक कल्याण - गन्ना उद्योग - संसदीय कार्य - विधि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ].

15

---

### विशेष कोर्स

*1 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार ने हर दवा दुकान के लिए एक फार्मासिस्ट की नियुक्ति अनिवार्य कर दी है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में वर्तमान में सात हजार फार्मासिस्ट हैं, जबकि सूबे में चालीस हजार से अधिक दवा दुकानें हैं;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य के दवा दुकानदारों का फार्मासिस्ट के नाम पर औषधि निरीक्षक द्वारा दवा दुकानों में फार्मासिस्ट नहीं रहने की स्थिति में आर्थिक रूप से दोहन किया जा रहा है, जिससे दवा दुकानदारों ने 22 से 24 जनवरी, 2020 तक दवा दुकानें बंद कर दी थी;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त उत्पन्न स्थिति में विभाग अन्य राज्यों की भांति दवा दुकानदारों को विशेष कोर्स कराकर दुकान चलाने की अनुमति देने का विचार रखती है, ताकि समस्या का हल हो सके ?

---

## चापाकल का प्रावधान

***2 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

**लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग :-**

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सूबे के सरकारी माध्यमिक-उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के साथ-साथ बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से संबद्ध माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय (इन्टर महाविद्यालय) तथा संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की भांति शुद्ध पेयजल हेतु चापाकल का प्रावधान नहीं है;

(ख) क्या यह भी सही है कि खंड 'क' में वर्णित कोटि के विद्यालयों-महाविद्यालयों में चापाकल का अधिष्ठापन/निर्माण अपने संसाधनों से किया जाता है अथवा जनप्रतिनिधियों द्वारा अनुशंसा के आधार पर किया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सूबे के सभी सरकारी माध्यमिक-उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के साथ-साथ संबद्धता प्राप्त माध्यमिक-उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों में भी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की भांति चापाकल का प्रावधान करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

---

## सुधार का उपाय

***3 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 में स्वस्थ विकास सूचकांक के मामले में देश में बिहार का पचास स्कोर के साथ 28वां रैंक है जबकि 60 स्कोर के साथ केरल का प्रथम रैंक है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो रैंक पिछड़ने का क्या कारण है और इसके सुधार के लिए सरकार कौन-सा उपाय कर रही है ?

---

## डॉक्टरों का पदस्थापन कबतक

***4 श्री दिलीप राय (सीतामढी स्थानीय प्राधिकार ):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी सदर अस्पताल में हड्डी, आंख, नाक एवं कान विभाग के डॉक्टर के पदस्थापना नहीं होने के कारण इन बीमारियों से संबंधित मरीजों को सीतामढ़ी से बाहर इलाज हेतु जाना पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विभाग के डॉक्टर के नहीं रहने के कारण विकलांग सर्टिफिकेट जिला में नहीं बन रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सदर अस्पताल में उपरोक्त विभाग से संबंधित डॉक्टरों का पदस्थापन कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

## सरकारी अस्पतालों में दवा की उपलब्धता कबतक

*5 **श्री कृष्ण कुमार सिंह (विधान सभा):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में 218 प्रकार की मुफ्त दवाओं के साथ सर्जिकल आइटम और री-एजेंट उपलब्ध कराया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा सभी जिलों में उपलब्ध दवाओं की गहन समीक्षा कर सिविल सर्जन को स्टॉक सुधारने और दवाओं की नियमित आपूर्ति बहाल रखने का निर्देश दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि सिविल सर्जनों की लापरवाही से राज्य के ग्रामीण इलाकों में मरीजों को सरकारी अस्पतालों में आधी से अधिक प्रकार की मिलने वाली मुफ्त दवाएं स्टॉक में नहीं होने के कारण नहीं मिल पा रही है;

(घ) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के खून व अन्य प्रकार की जांच करने के लिए री-एजेंट एवं दवाओं के अभाव में ऑपरेशन से लेकर ड्रेसिंग तक के कार्य प्रभावित हो रहे हैं;

(ड़) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नियमित मॉनीटरिंग कराकर राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

## कवर तार की व्यवस्था

*6 **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय (गोपालगंज स्थानीय प्राधिकार ):**

**ऊर्जा :-**

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज शहर में बेंजारी रोड, मिंज स्टेडियम गली अधिवक्ता नगर में हाईटेंशन लाइन का नंगा तार झूल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि हाईटेंशन लाइन से 15 महीने में 9 लोगों, दर्जनों पशुओं की मौत के अलावा 17 लोग झुलस चुके हैं;

यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार शहर के हाईटेंशन तार को कवर करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## कार्य में तेजी

*7 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक ):**

**लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग :-**

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि हर घर नल योजना के तहत हर घर नल जल योजना के पाइप बिछाने के क्रम में सड़कें तोड़ी जा रही हैं जिससे आवागमन अस्त-व्यस्त हो रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि अधिकांश गांवों में पाइप बिछाने के लिए लम्बी दूरी तक गड्ढे खोद दिये गये हैं, उसमें न तो पाइप बिछाये जा रहे हैं और न तो गड्ढे ही भी भरे जा रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पाइप बिछाने के क्रम में सड़कों की मरम्मती एवं कार्य में तेजी लाकर कार्यक्रम को समयबद्ध पूरा करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---

## फ्लोराइड मुक्त

*8 **श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

**लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग :-**

: क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि 31 जनवरी, 2020तक राज्य के सभी जिलों को फ्लोराइड से मुक्त करने का सरकार का प्रस्ताव है;

(ख) क्या यह सही है कि इस योजना पर 110 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान वित्तीय वर्ष 2019-20 में है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतलाएगी कि राज्य के किन-किन जिलों को फ्लोराइड से मुक्त कर दिया गया है ?

---

## अन्यत्र स्थानांन्तरण

*9 **श्री गुलाम रसूल (विधान सभा):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया में कार्यरत नर्सों एवं तृतीय वर्ग के कर्मचारियों का बीस-पच्चीस वर्षों से अन्यत्र स्थानान्तरण नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि एक ही स्थान पर जमे रहने के कारण उनका ध्यान मरीजों की सेवा करना न हो कर अपना हित साधना व गुटबाजी करना हो गया है, जिसके कारण अस्पताल में अव्यवस्था की स्थिति है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए उक्त अस्पताल में लंबी अवधि से जमे नर्सों एवं तृतीय वर्ग के कर्मचारियों का स्थानान्तरण अन्यत्र करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## जमीन उपलब्ध

*10 **श्री रजनीश कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार ):**

**ऊर्जा :-**

क. क्या यह सही है कि एन.टी.पी.सी. बरौनी थर्मल परियोजना के विस्तारीकरण में कसहा दियारा की 496 एकड़ जमीन पर किसानों के फसल को उजाड़ कर एश पाउन्ड बनाने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा जिससे किसानों में क्षोभ व्याप्त है?

ख. क्या यह सही है कि कसहा दियारा क्षेत्र की उक्त कृषि योग्य भूमि पर एश पाउन्ड

बनने से वहाँ की हजारों एकड़ भूमि बंजर हो जायेगी?

ग. क्या यह सही है कि उक्त एश पाउन्ड बनाने के लिए थर्मल प्लान्ट के नजदीक मल्हीपुर मौजे में 847 एकड़ बंजर जमीन उपलब्ध है जिसे किसान स्वेच्छा से देने के लिए तैयार है?

घ. क्या यह सही है कि कसहा दियारा में एश पाउन्ड निर्माण से वहाँ बसे लगभग 25 हजार आबादी के जल जीवन और उसके हरियाली के लिए खतरा होगा?

ड़. यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार एश पाउन्ड निर्माण स्थल को कसहा दियारा से बदल कर मल्हीपुर मौजे के बंजर जमीन पर करने का विचार रखती है? यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों?

---

## चिकित्साकर्मियों का पदस्थापन

*11 **डा. दिलीप कुमार चौधरी (स्नातक दरभंगा):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के बेनीपट्टी प्रखंड के बसैठ अस्पताल में सभी तरह के आधारभूत संरचना एवं उपस्कर का प्रबंधन स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया है परन्तु चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मियों की अनुपस्थिति के कारण स्वास्थ्य सेवा का लाभ जनता को नहीं मिल रहा है;

(ख) यदि उपरोर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार अविलंब बसैठ अस्पताल में चिकित्सक एवं अन्य चिकित्साकर्मियों का पदस्थापन करना चाहती है ताकि जनता को चिकित्सा-सेवा उपलब्ध हो सके, यदि हां तो कबतक ?

---

## चिकित्सा एवं नर्स की व्यवस्था

*12 **श्री संजय कुमार सिंह (मनोनीत):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिले के इसुआपुर प्रखंड अंतर्गत कुम्हैला ग्राम में लगभग 25 वर्षों से 6 बेड का अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र आज भी भाड़े के भवन में चल रहा

है तथा वहां न नियमित चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति है और न ही नर्स की प्रतिनियुक्ति है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त ग्राम में मुख्य सड़क के किनारे लगभग 15-20 कट्ठा गैर मजरूआ जमीन है जो मठ के दखल-कब्जा में है जिसमें अस्पताल भवन बनाने के लिए ग्रामीणों की ओर से सहमति दी जा चुकी है;

(घ) क्या यह सही है कि जमीन की उपलब्धता के बावजूद स्थानीय पदाधिकारियों की शिथिलता के कारण न तो अस्पताल का भवन बन रहा है, न ही वहां चिकित्सक एवं नर्स की प्रतिनियुक्ति की जा रही है;

(ङ) यदि उपर्युम्क्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र का भवन बनाने तथा चिकित्सक एवं नर्स की प्रतिनियुक्ति करने हेतु शीघ्रातिशीघ्र कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

---

## उप स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना

***13 श्री राम लषण राम रमण (मनोनीत):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत, राजनगर प्रखंड की करहिया पश्चिमी पंचायत में उप स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि यहां के मरीजों को अपने इलाज के लिए 5 कि.मी. की दूरी तय कर प्रखंड मुख्यालय राजनगर या 14 कि.मी. की दूरी तय कर जिला मुख्यालय मधुबनी जाना पड़ता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कबतक एक उप स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करना चाहती है ?

---

## एक्स—रे मशीन की व्यवस्था

***14 श्री टुनजी पाण्डेय (स्थानीय प्राधिकार, सीवान):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि सदर अस्पताल, सिवान में तीन एक्स-रे टेक्नीशियन पदस्थापित हैं जिन्हें लगभग डेढ़ साल से वेतन का भुगतान हो रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि यहां एक भी एक्स-रे मशीन नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि स्थानीय व्यवस्था के तहत बाहर से एक्स-रे कराया जा रहा है;

(घ) क्या उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कबतक एक्स-रे मशीन सदर अस्पताल में लगाया जायेगा ?

---

## डॉक्टर एवं नर्स की प्रतिनियुक्ति

*15 **श्री तनवीर अख्तर (विधान सभा):**

**स्वास्थ्य :-**

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला अन्तर्गत प्रखंड-अली नगर, पंचायत-गौरोल में सरकारी अस्पताल बनकर तैयार है और उक्त अस्पताल को अबतक चालू नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में डॉक्टरों एवं नर्सों की प्रतिनियुक्ति नहीं की गई है;

(ग) क्या उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त वर्णित सरकारी अस्पताल को चालू कर डॉक्टरों एवं नर्सों की प्रतिनियुक्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

---